परिशिष्ट

नये नियम में ''कलीसिया'' के दृष्टांत और उदाहरण

नये नियम में कलीसिया को बहुत से रूपकों, उपमाओं तथा दृष्टांतों द्वारा चित्रित किया गया है।[1] उनमें से कुछ तो उदाहरण लगते हैं, जबकि दूसरे वास्तविक पदनाम हैं। किसी को भी दूसरे से अधिक महत्व न देते हुए इन सबको कलीसिया की उस पूरी तस्वीर को जो परमेश्वर हमें दिखाना चाहता है, दिखाने में एक दूसरे के साथ योगदान करते देखना चाहिए।

रूपक समान या मिलते-जुलते वाक्यांश को कहते हैं (जिसमें ''की तरह'' या ''जैसे'' शब्दों का इस्तेमाल नहीं होता)। उदाहरण के लिए, इफिसियों 2:20-22 में मसीह को कोने का पत्थर कहा गया है और मसीही लोगों को इमारत या मन्दिर के रूप में चित्रित किया गया है।

उपमा रूपक ही होता है जिसकी प्रस्तुति में ''के समान'' या ''जैसा'' शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। मत्ती 13 अध्याय में बार-बार ''स्वर्ग का राज्य ... के समान है'' कहकर यीशु उपमाओं का ही इस्तेमाल कर रहा था।

उदाहरण रूपक से बढ़कर होता है। पवित्र शास्त्र में ऐसी तुलना कलीसिया के अस्तित्व और अवधारणा या उस कहानी में जिसका इस्तेमाल इसकी व्याख्या के लिए किया जा रहा है, समानता बताने के लिए की गई है।[2] उदाहरण के लिए, मत्ती 13:24-30 में यीशु ने अपने राज्य की प्रकृति को समझाने के लिए एक खेत का उदाहरण दिया।

परमेश्वर से सम्बन्धित (21)

1. परमेश्वर के याजकों के समाज के रूप में

1 पतरस 2:9

''पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिए कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से

अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो।''

1 पतरस 2:5

''तुम भी आप जीवते पत्थरों की नाईं आत्मिक घर बनते जाते हो, जिससे याजकों का पवित्र समाज बनकर, ऐसे आत्मिक बलिदान चढ़ाओ, जो यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को ग्राह्य हैं।''

2. पवित्र लोगों के रूप में

1 पतरस 2:9

''पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिए कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो।''

3. परमेश्वर की निज प्रजा के रूप में

1 पतरस 2:9

''पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिए कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो।''

4. परमेश्वर के चुने हुए वंश के रूप में

1 पतरस 2:9

''पर तुम एक चुना हुआ वंश, और राज-पदधारी, याजकों का समाज, और पवित्र लोग, और (परमेश्वर की) निज प्रजा हो, इसलिए कि जिसने तुम्हें अन्धकार में से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है, उसके गुण प्रगट करो।''

5. परमेश्वर के नगर के रूप में

इफिसियों 2:19

''इसलिए तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए।''

6. परमेश्वर के भवन के रूप में

इफिसियों 2:20-22

''और प्रेरितों और भविष्यवक्ताओं की नेंव पर जिस के कोने का पत्थर मसीह यीशु आप ही है, बनाए गए हो। जिस में सारी रचना एक साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्र मन्दिर बनती जाती है। जिस में तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवास स्थान

होने के लिए एक साथ बनाए जाते हो।''

7. परमेश्वर की खेती के रूप में

1 कुरिन्थियों 3:9

''ज़्योंकि हम परमेश्वर के सहकर्मी हैं; तुम परमेश्वर की खेती और परमेश्वर की रचना हो।''

8. परमेश्वर के निवास स्थान के रूप में

इफिसियों 2:19-22

''इसलिए तुम अब विदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए। और प्रेरितों और भविष्यवज़्ताओं की नेंव पर जिस के कोने का पत्थर मसीह यीशु आप ही है, बनाए गए हो। जिस में सारी रचना एक साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्र मन्दिर बनती जाती है। जिस में तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवास स्थान होने के लिए एक साथ बनाए जाते हो।''

9. परमेश्वर के पुत्रों के रूप में

1 यूहन्ना 3:1

''देज़ो पिता ने हमसे कैसा प्रेम किया है, कि हम परमेश्वर की सन्तान कहलाएं, और हम हैं भी: इस कारण संसार हमें नहीं जानता, ज़्योंकि उसने उसे भी नहीं जाना।''

1 यूहन्ना 3:2

''हे प्रियो, अभी हम परमेश्वर की सन्तान हैं, और अब तक यह प्रगट नहीं हुआ, कि हम ज़्या कुछ होंगे! इतना जानते हैं, कि जब वह प्रगट होगा तो हम भी उसके समान होंगे, ज़्योंकि उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।''

10. परमेश्वर के घर (परिवार) के रूप में

1 तीमुथियुस 3:14, 15

''मैं तेरे पास जल्द आने की आशा रखने पर भी ये बातें तुझे इसलिए लिखता हूं। कि यदि मेरे आने में देर हो, तो तू जान ले, कि परमेश्वर का घर जो जीवते परमेश्वर की कलीसिया है, और जो सत्य का खज़्भा, और नेंव है; उस में कैसा बर्ताव करना चाहिए।''

11. परमेश्वर की परिपूर्णता के रूप में

कुलुस्सियों 1:19, 20

''ज़्योंकि पिता की प्रसन्नता इसी में है कि उस में सारी परिपूर्णता वास करे। और

उसके क्रूस पर बहे हुए लोहू के द्वारा मेल मिलाप करके, सब वस्तुओं का उसी के द्वारा अपने साथ मेल कर ले चाहे वे पृथ्वी पर की हों, चाहे स्वर्ग में की।''

12. परमेश्वर के मन्दिर के रूप में

1 कुरिन्थियों 3:16, 17

''क्या तुम नहीं जानते, कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है ? यदि कोई परमेश्वर के मन्दिर को नाश करेगा तो परमेश्वर उसे नाश करेगा; क्योंकि परमेश्वर का मन्दिर पवित्र है, और वह तुम हो।''

13. परमेश्वर की मीरास के रूप में

इफिसियों 1:18

''और तुम्हारे मन की आंखें ज्योतिर्मय हों कि तुम जान लो कि उसके बुलाने से कैसी आशा होती है, और पवित्र लोगों में उस की मीरास की महिमा का धन कैसा है।''

14. परमेश्वर के चुने हुओं के रूप में

इफिसियों 1:4

''जैसा उस ने हमें जगत की उत्पत्ति से पहिले उस में चुन लिया, कि हम उसके निकट ... पवित्र और निर्दोष हों।''

15. परमेश्वर की लेपालक (गोद ली हुई) संतान के रूप में

इफिसियों 1:5

''और अपनी इच्छा की सुमति के अनुसार हमें अपने लिए पहिले से ठहराया, कि यीशु मसीह के द्वारा हम उसके लेपालक पुत्र हों।''

16. परमेश्वर की कारीगरी के रूप में

इफिसियों 2:10

''क्योंकि हम उसके बनाए हुए हैं; और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिए सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने पहिले से हमारे करने के लिए तैयार किया।''

17. परमेश्वर के लोगों के रूप में

1 पतरस 2:10

''तुम पहिले तो कुछ भी नहीं थे, पर अब परमेश्वर की प्रजा हो: तुम पर दया नहीं हुई थी पर अब तुम पर दया हुई है।''

18. परमेश्वर की खेती के रूप में

1 कुरिन्थियों 3:7, 8

''इसलिए न तो लगाने वाला कुछ है, और न सींचने वाला, परन्तु परमेश्वर जो बढ़ानेवाला है। लगानेवाला और सींचनेवाला दोनों एक हैं, परन्तु हर एक व्यज़्ति अपने ही परिश्रम के अनुसार अपनी ही मजदूरी पाएगा।''

19. परमेश्वर के राज्य के रूप में

प्रकाशितवाज़्य 1:5ख, 6

''जो हमसे प्रेम रखता है, और जिसने अपने लोहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया है। और हमें एक राज्य और अपने पिता परमेश्वर के लिए याजक भी बना दिया; उसी की महिमा और पराक्रम युगानुयुग रहे। आमीन।''

20. परमेश्वर की महिमा में भाग लेने वालों के रूप में

1 थिस्सलुनीकियों 2:12

''कि तुज़्हारा चाल-चलन परमेश्वर के योग्य हो, जो तुज़्हें अपने राज्य और महिमा में बुलाता है।''

21. ईश्वरीय संगति में आने वालों के रूप में

1 यूहन्ना 1:3

''जो कुछ हमने देखा और सुना है उसका समाचार तुज़्हें भी देते हैं, इसलिए कि तुम भी हमारे साथ सहभागी हो; और हमारी यह सहभागिता पिता के साथ, और उसके पुत्र यीशु मसीह के साथ है।''

2 कुरिन्थियों 13:14

''प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह और परमेश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा की सहभागिता तुम सब के साथ होती रहे।''

मसीह के सज़्बन्ध में (18)

22. मसीह की परिपूर्णता के रूप में

इफिसियों 1:22, 23

''और सब कुछ उसके पांवों तले कर दिया: और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया। यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।''

23. मसीह के झुंड के रूप में

यूहन्ना 10:11

''अच्छा चरवाहा मैं हूं; अच्छा चरवाहा भेड़ों के लिए अपना प्राण देता है।''

24. मसीह की आत्मिक देह के रूप में

इफिसियों 1:22, 23

''और सब कुछ उसके पांवों तले कर दिया: और उसे सब वस्तुओं पर शिरोमणि ठहराकर कलीसिया को दे दिया। यह उसकी देह है, और उसी की परिपूर्णता है, जो सब में सब कुछ पूर्ण करता है।''

25. ''एक'' देह के रूप में

1 कुरिन्थियों 12:13

''ज़्योंकि हम सब ने ज़्या यहूदी हों, ज़्या यूनानी, ज़्या दास, ज़्या स्वतंत्र, एक ही आत्मा के द्वारा एक देह होने के लिए बपतिस्मा लिया, और हम सब को एक ही आत्मा पिलाया गया।''

इफिसियों 4:4

''एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुज़्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है।''

इफिसियों 2:14-16

''ज़्योंकि वही हमारा मेल है, जिस ने दोनों को एक कर लिया: और अलग करने वाली दीवार को जो बीच में थी, ढा दिया। और अपने शरीर में बैर अर्थात वह व्यवस्था जिस की आज्ञाएं विधियों की रीति पर थीं, मिटा दिया, कि दोनों से अपने में एक नया मनुष्य उत्पन्न करके मेल करा दे। और क्रूस पर बैर को नाश करके इस के द्वारा दोनों को एक देह बनाकर परमेश्वर से मिलाए।''

26. मसीह के अंगों के रूप में

1 कुरिन्थियों 6:15

''ज़्या तुम नहीं जानते, कि तुज़्हारी देह मसीह के अंग हैं ? सो ज़्या मैं मसीह के अंग लेकर उन्हें वेश्या के अंग बनाऊं ? कदापि नहीं।''

27. सिर अर्थात मसीह की देह के रूप में

इफिसियों 5:23, 24

''ज़्योंकि पति पत्नी का सिर है जैसे कि मसीह कलीसिया का सिर है; और आप ही

देह का उद्धारकर्ज़ा है। पर जैसे कलीसिया मसीह के आधीन है, वैसे ही पत्नियां भी हर बात में अपने-अपने पति के आधीन रहें।''

कुलुस्सियों 1:18
''और वही देह, अर्थात कलीसिया का सिर है; वही आदि है और मरे हुओं में से जी उठने वालों में पहिलौठा कि सब बातों में वही प्रधान ठहरे।''

28. मसीह की दुल्हन के रूप में

2 कुरिन्थियों 11:2
''ज़्योंकि मैं तुज़्हारे विषय में ईश्वरीय धुन लगाए रहता हूं , इसलिए कि मैंने एक ही पुरुष से तुज़्हारी बात लगाई है, कि तुज़्हें पवित्र कुंवारी की नाईं मसीह को सौंप दूं।''

इफिसियों 5:23
''ज़्योंकि पति पत्नी का सिर है जैसे कि मसीह कलीसिया का सिर है; और आप ही देह का उद्धारकर्ज़ा है।''

29. मसीह के पत्र के रूप में

2 कुरिन्थियों 3:2, 3
''हमारी पत्री तुम ही हो, जो हमारे हृदयों पर लिखी हुई है, और उसे सब मनुष्य पहिचानते और पढ़ते हैं। यह प्रगट है, कि तुम मसीह की पत्री हो, जिस को हम ने सेवकों की नाईं लिखा; और जो सियाही से नहीं, परन्तु जीवते परमेश्वर के आत्मा से पत्थर की पटियों पर नहीं, परन्तु हृदय की मांस रूपी पटियों पर लिखी है।''

30. मसीह की सुगंध के रूप में

2 कुरिन्थियों 2:14
''परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो मसीह में सदा हम को जय के उत्सव में लिए फिरता है, और अपने ज्ञान की सुगन्ध हमारे द्वारा हर जगह फैलाता है।''

31. यीशु को प्रभु जानकर उसका अंगीकार करने वालों के रूप में

रोमियों 10:9, 10
''कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। ज़्योंकि धार्मिकता के लिए मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिए मुंह से अंगीकार किया जाता है।''

32. मसीह के अनुयायियों के रूप में

मरकुस 9:41

''जो कोई एक कटोरा पानी तुम्हें इसलिए पिलाए कि तुम मसीह के हो तो मैं तुम से सच कहता हूं कि वह अपना प्रतिफल किसी रीति से न खोएगा।''

33. मसीह के चेलों के रूप में

प्रेरितों 11:26

''और जब उससे मिला तो उसे अन्ताकिया में लाया, और ऐसा हुआ कि वे एक वर्ष तक कलीसिया के साथ मिलते रहे और बहुत लोगों को उपदेश देते रहे, और चेले सबसे पहिले अन्ताकिया ही में मसीही कहलाए।''

34. मसीह के दासों के रूप में

1 कुरिन्थियों 4:1

''मनुष्य हमें मसीह के सेवक और परमेश्वर के भेदों के भण्डारी समझे।''

35. मसीह के राजदूतों के रूप में[3]

2 कुरिन्थियों 5:20

''सो हम मसीह के राजदूत हैं; मानो परमेश्वर हमारे द्वारा समझाता है: हम मसीह की ओर से निवेदन करते हैं, कि परमेश्वर के साथ मेल मिलाप कर लो।''

36. उसमें बने रहने वालों के रूप में

1 यूहन्ना 2:27

''और तुम्हारा वह अभिषेक, जो उसकी ओर से किया गया, तुम में बना रहता है; और तुम्हें इस का प्रयोजन नहीं कि कोई तुम्हें सिखाए, बरन जैसे वह अभिषेक जो उसकी ओर से किया गया तुम्हें सब बातें सिखाता है, और यह सच्चा है, और झूठा नहीं: और जैसा उसने तुम्हें सिखाया है वैसे ही तुम उसमें बने रहते हो।''

37. मसीह द्वारा भेजे जाने वालों के रूप में

मरकुस 16:15, 16

''और उस ने उन से कहा, तुम सारे जगत में जाकर सारी सृष्टि के लोगों को सुसमाचार प्रचार करो। जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा।''

38. मसीह के गवाहों के रूप में

3 यूहन्ना 3

''ज़्योंकि जब भाइयों ने आकर, तेरे उस सत्य की गवाही दी, जिस पर तू सचमुच चलता है, तो मैं बहुत ही आनन्दित हुआ।''

3 यूहन्ना 6
''उन्होंने मण्डली के साज़्हने तेरे प्रेम की गवाही दी थी: यदि तू उन्हें उस प्रकार विदा करेगा जिस प्रकार परमेश्वर के लोगों के लिए उचित है तो अच्छा करेगा।''

39. दाखलता की टहनियों के रूप में

यूहन्ना 15:5
''मैं दाखलता हूं: तुम डालियां हो; जो मुझ में बना रहता है, और मैं उस में, वह बहुत फल फलता है, ज़्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ, भी नहीं कर सकते।''

पवित्र आत्मा के सज़्बन्ध में (3)

40. उन लोगों के रूप में जिनमें आत्मा वास करता है

1 कुरिन्थियों 3:16
''ज़्या तुम नहीं जानते, कि तुम परमेश्वर का मन्दिर हो, और परमेश्वर का आत्मा तुम में वास करता है?''

41. आत्मा से जन्म पाने वालों के रूप में

यूहन्ना 3:5
''यीशु ने उज़र दिया, कि मैं तुझ से सच कहता हूं; जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्मे तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।''

42. पवित्र आत्मा के अनुसार चलने वालों के रूप में

रोमियों 8:3, 4
''ज़्योंकि जो काम व्यवस्था शरीर के कारण दुर्बल होकर न कर सकी, उस को परमेश्वर ने किया, अर्थात अपने ही पुत्र को पापमय शरीर की समानता में, और पाप के बलिदान होने के लिए भेजकर, शरीर में पाप पर दण्ड की आज्ञा दी। इसलिए कि व्यवस्था की विधि हम में जो शरीर के अनुसार नहीं वरन आत्मा के अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए।''

मसीही लोगों के सम्बन्ध में (61)

की गई वचनबद्धता के विषय में (33)

43. मार्ग के रूप में

प्रेरितों 9:1, 2

''और शाऊल जो अब तक प्रभु के चेलों को धमकाने और घात करने की धुन में था, महायाजक के पास गया। और उससे दमिश्क के आराधनालयों के नाम पर इस अभिप्राय की चिट्ठियां मांगीं, कि ज़्या पुरुष, ज़्या स्त्री, जिन्हें वह इस पंथ पर पाए उन्हें बान्धकर यरूशलेम में ले आए।''

(प्रेरितों 19:9, 23; 22:4; 24:14, 22 भी देखिए।)

44. पृथ्वी के नमक के रूप में

मत्ती 5:13

''तुम पृथ्वी के नमक हो; परन्तु यदि नमक का स्वाद बिगड़ जाए, तो वह फिर किस वस्तु से नमकीन किया जाएगा? फिर वह किसी काम का नहीं, केवल इसके कि बाहर फेंका जाए और मनुष्यों के पैरों तले रौंदा जाए।''

45. सत्य के खम्भे और नींव के रूप में

1 तीमुथियुस 3:14, 15

''मैं तेरे पास जल्द आने की आशा रखने पर भी ये बातें तुझे इसलिए लिखता हूं। कि यदि मेरे आने में देर हो, तो तू जान ले, कि परमेश्वर का घर जो जीवते परमेश्वर की कलीसिया है, और जो सत्य का खम्भा, और नेंव है; उस में कैसा बर्ताव करना चाहिए।''

46. शैतान से लड़ने वालों के रूप में

इफिसियों 6:12, 13

''ज़्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लोहू और मांस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अंधकार के हाकिमों से और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं। इसलिए परमेश्वर के सारे हथियार बान्ध लो, कि तुम बुरे दिन में साञ्हना कर सको, और सब कुछ पूरा करके स्थिर रह सको।''

47. रोशनी के रूप में

फिलिप्पियों 2:15, 16

''ताकि तुम निर्दोष और भोले होकर टेढ़े और हठीले लोगों के बीच परमेश्वर के

निष्कलंक सन्तान बने रहो, (जिन के बीच में तुम जीवन का वचन लिए हुए जगत में जलते दीपकों की नाईं दिखाई देते हो)। कि मसीह के दिन मुझे घमण्ड करने का कारण हो, कि न मेरा दौड़ना और न मेरा परिश्रम करना व्यर्थ हुआ।''

(मत्ती 5:14; प्रेरितों 13:47; इफिसियों 5:8; 1 थिस्सलुनीकियों 5:5; 1 पतरस 2:9 भी देखिए।)

48. विश्वासी लोगों के रूप में

इफिसियों 1:1

''पौलुस की ओर से जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित है, उन पवित्र और मसीह यीशु में विश्वासी लोगों के नाम जो इफिसुस में हैं।''

49. धर्म के दासों के रूप में

रोमियों 6:19

''मैं तुम्हारी शारीरिक दुर्बलता के कारण मनुष्यों की रीति पर कहता हूं, जैसे तुम ने अपने अंगों को कुकर्म के लिए अशुद्धता और कुकर्म के दास करके सौंपा था, वैसे ही अब अपने अंगों को पवित्रता के लिए धर्म के दास करके सौंप दो।''

50. एक ही विश्वास को मानने वालों के रूप में

इफिसियों 4:5

''एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा।''

प्रेरितों 6:7

''और परमेश्वर का वचन फैलता गया और यरूशलेम में चेलों की गिनती बहुत बढ़ती गई; और याजकों का एक बड़ा समाज इस मत के अधीन हो गया।''

51. बढ़ने वाली देह के रूप में

इफिसियों 4:14-16

''ताकि हम आगे को बालक न रहें, जो मनुष्यों की ठग-विद्या और चतुराई से उन के भ्रम की युक्तियों की, और उपदेश की, हर एक बयार से उछाले, और इधर-उधर घुमाए जाते हों। वरन प्रेम में सच्चाई से चलते हुए, सब बातों में उस में जो सिर है, अर्थात मसीह में बढ़ते जाएं। जिस से सारी देह हर एक जोड़ की सहायता से एक साथ मिलकर, और एक साथ गठकर उस प्रभाव के अनुसार जो हर एक भाग के परिमाण से उस में होता है, अपने आप को बढ़ाती है, कि वह प्रेम में उन्नति करती जाए।''

52. खेत में अच्छे बीज के रूप में

मत्ती 13:24-30

''उसने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया कि स्वर्ग का राज्य उस मनुष्य के समान है जिसने अपने खेत में अच्छा बीज बोया। पर जब लोग सो रहे थे तो उसका बैरी आकर गेहूं के बीच जंगली बीज बोकर चला गया। जब अंकुर निकले और बालें लगीं, तो जंगली दाने भी दिखाई दिए। इस पर गृहस्थ के दासों ने आकर उससे कहा, हे स्वामी ज़्या तूने अपने खेत में अच्छा बीज न बोया था? फिर जंगली दाने के पौधे उसमें कहां से आए? उसने उनसे कहा, यह किसी बैरी का काम है। दासों ने उससे कहा, ज़्या तेरी इच्छा है कि हम जाकर उन को बटोर लें? उसने कहा, ऐसा नहीं, न हो कि जंगली दाने के पौधे बटोरते हुए उनके साथ गेहूं भी उज़ाड़ लो। कटनी तक दोनों को एक साथ बढ़ने दो, और कटनी के समय मैं काटने वालों से कहूंगा; पहिले जंगली दाने के पौधे बटोर कर जलाने के लिए उनके गट्ठे बांध लो, और गेहूं को मेरे खज़े में इकट्ठा करो।''

53. राई के बीज के रूप में

मत्ती 13:31, 32

''उसने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया; कि स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। वह सब बीजों से छोटा तो है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है, कि आकाश के पक्षी आकर उसकी डालियों पर बसेरा करते हैं।''

54. आटे में खमीर के रूप में

मत्ती 13:33

''उसने एक और दृष्टान्त उन्हें सुनाया; कि स्वर्ग का राज्य खमीर के समान है जिस को किसी स्त्री ने लेकर तीन पसेरी आटे में मिला दिया और होते-होते वह सब खमीर हो गया।''

55. बहुमूल्य मोती के रूप में

मत्ती 13:45, 46

''फिर स्वर्ग का राज्य एक व्यापारी के समान है जो अच्छे मोतियों की खोज में था। जब उसे एक बहुमूल्य मोती मिला तो उसने जाकर अपना सब कुछ बेच डाला और उसे मोल ले लिया।''

56. उद्धारकर्ज़ा द्वारा बोए गए बीज को मानने वालों के रूप में

मत्ती 13:19-23

''जो कोई राज्य का वचन सुनकर नहीं समझता, उसके मन में जो कुछ बोया गया था,

उसे वह दुष्ट आकर छीन ले जाता है; यह वही है, जो मार्ग के किनारे बोया गया था। और जो पथरीली भूमि पर बोया गया, यह वह है, जो वचन सुनकर तुरन्त आनन्द के साथ मान लेता है पर अपने में जड़ न रखने के कारण वह थोड़े ही दिन का है, और जब वचन के कारण ज़्लेश या उपद्रव होता है, तो तुरन्त ठोकर खाता है। जो झाड़ियों में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनता है, पर इस संसार की चिन्ता और धन का धोखा वचन को दबाता है और वह फल नहीं लाता। जो अच्छी भूमि में बोया गया, यह वह है, जो वचन को सुनकर समझता है, और फल लाता है, कोई सौ गुना, कोई साठ गुना, कोई तीस गुना।''

57. प्रभु की दाख की बारी के रूप में

मत्ती 20:1-16

''स्वर्ग का राज्य किसी गृहस्थ के समान है, जो सवेरे निकला, कि अपने दाख की बारी में मजदूरों को लगाए। और उसने मजदूरों से एक दीनार रोज पर ठहराकर, उन्हें अपने दाख की बारी में भेजा। फिर पहर एक दिन चढ़े, निकलकर, और औरों को बाज़ार में बेकार खड़े देखकर, उन से कहा, तुम भी दाज़ की बारी में जाओ, और जो कुछ ठीक है, तुज़्हें दूंगा; सो वे भी गए। फिर उसने दूसरे और तीसरे पहर के निकट निकलकर वैसा ही किया। और एक घंटा दिन रहे फिर निकलकर औरों को खड़े पाया, और उन से कहा; तुम ज़्यों यहां दिनभर बेकार खड़े रहे ? उन्होंने उससे कहा, इसलिए कि किसी ने हमें मजदूरी पर नहीं लगाया। उसने उनसे कहा, तुम भी दाख की बारी में जाओ। सांझ को दाख की बारी के स्वामी ने अपने भण्डारी से कहा, मज़दूरों को बुलाकर पिछलों से लेकर पहिलों तक उन्हें मजदूरी दे दे। सो जब वे आए, जो घंटा भर दिन रहे लगाए गए थे, तो उन्हें एक-एक दीनार मिला। जो पहिले आए, उन्होंने यह समझा, कि हमें अधिक मिलेगा; परन्तु उन्हें भी एक-एक दीनार ही मिला। जब मिला, तो वे गृहस्थ पर कुड़कुड़ा कर कहने लगे। कि इन पिछलों ने एक ही घंटा काम किया, और तू ने उन्हें हमारे बराबर कर दिया, जिन्होंने दिनभर का भार उठाया और घाम सहा ? उसने उनमें से एक को उज़र दिया, कि हे मित्र, मैं तुझ से कुछ अन्याय नहीं करता; ज़्या तू ने मुझ से एक दीनार न ठहराया ? जो तेरा है, उठा ले, और चला जा; मेरी इच्छा यह है, कि जितना तुझे, उतना ही इस पिछले को भी दूं। ज़्या उचित नहीं कि मैं अपने माल से जो चाहूं सो करूं ? ज़्या तू मेरे भले होने के कारण बुरी दृष्टि से देखता है ? इसी रीति से जो पिछले हैं, वे पहिले होंगे, और जो पहिले हैं, वे पिछले होंगे।''

58. उन लोगों के रूप में जिन्होंने प्रभु के निमन्त्रण को स्वीकार किया है

मत्ती 22:2-14

''स्वर्ग का राज्य उस राजा के समान है, जिस ने अपने पुत्र का ज़्याह किया। और उस

ने अपने दासों को भेजा, कि नेवताहारियों को ज़्याह के भोज में बुलाएं; परन्तु उन्होंने आना न चाहा। फिर उस ने और दासों को यह कहकर भेजा, कि नेवताहारियों से कहो, देखो; मैं भोज तैयार कर चुका हूं, और मेरे बैल और पले हुए पशु मारे गए हैं: और सब कुछ तैयार है; ज़्याह के भोज में आओ। परन्तु वे बेपरवाई करके चल दिए: कोई अपने खेत को, कोई अपने व्यापार को। औरों ने जो बच रहे थे उसके दासों को पकड़कर उन का अनादर किया और मार डाला। राजा ने क्रोध किया, और अपनी सेना भेजकर उन हत्यारों को नाश किया, और उन के नगर को फूंक दिया। तब उसने अपने दासों से कहा, ज़्याह का भोज तो तैयार है, परन्तु नेवताहारी योग्य नहीं ठहरे। इसलिए चौराहों में जाओ, और जितने लोग तुम्हें मिलें सब को ज़्याह के भोज में बुला लाओ। सो उन दासों ने सड़कों पर जाकर ज़्या बुरे, ज़्या भले, जितने मिले, सब को इकट्ठे किया; और ज़्याह का घर जेवनहारों से भर गया। जब राजा जेवनहारों को देखने भीतर आया; तो उसने वहां एक मनुष्य देखा, जो ज़्याह का वस्त्र नहीं पहिने था। उस ने उस से पूछा, हे मित्र; तू ज़्याह का वस्त्र पहिने बिना यहां ज़्यों आ गया? उसका मुंह बन्द हो गया। तब राजा ने सेवकों से कहा, इसके हाथ पांव बान्धकर उसे बाहर अन्धियारे में डाल दो, वहां रोना, और दांत पीसना होगा। ज़्योंकि बुलाए हुए तो बहुत परन्तु चुने हुए थोड़े हैं।''

प्रकाशितवाज़्य 22:17
''और आत्मा, और दुल्हिन दोनों कहती हैं, आ; और सुनने वाला भी कहे, कि आ; और जो प्यासा हो, वह आए, और जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेंतमेंत ले।''

59. तैयार कुंवारियों के रूप में

मज़ी 25:1–13
''तब स्वर्ग का राज्य उन दस कुंवारियों के समान होगा जो अपनी मशालें लेकर दूल्हे से भेंट करने को निकलीं। उन में पांच मूर्ख और पांच समझदार थीं। मूर्खों ने अपनी मशालें तो लीं, परन्तु अपने साथ तेल नहीं लिया। परन्तु समझदारों ने अपनी मशालों के साथ अपनी कुप्पियों में तेल भी भर लिया। जब दूल्हे के आने में देर हुई, तो वे सब ऊंघने लगीं, और सो गईं। आधी रात को धूम मची, कि देखो, दूल्हा आ रहा है, उस से भेंट करने के लिए चलो। तब वे सब कुंवारियां उठकर अपनी मशालें ठीक करने लगीं। और मूर्खों ने समझदारों से कहा, अपने तेल में से कुछ हमें भी दो, ज़्योंकि हमारी मशालें बुझी जाती हैं। परन्तु समझदारों ने उज़र दिया कि कदाचित हमारे और तुम्हारे लिए पूरा न हो; भला तो यह है, कि तुम बेचनेवालों के पास जाकर अपने लिए मोल ले लो। जब वे मोल लेने को जा रही थीं, तो दूल्हा आ पहुंचा, और जो तैयार थीं, वे उसके साथ ज़्याह के घर में चली गईं और द्वार बन्द किया गया। इसके बाद वे

दूसरी कुंवारियां भी आकर कहने लगीं, हे स्वामी, हे स्वामी, हमारे लिए द्वार खोल दे। उस ने उज़र दिया, कि मैं तुम से सच कहता हूं, मैं तुज़्हें नहीं जानता। इसलिए जागते रहो, ज़्योंकि तुम न उस दिन को जानते हो, न उस घड़ी को।''

2 कुरिन्थियों 11:2
''ज़्योंकि मैं तुज़्हारे विषय में ईश्वरीय धुन लगाए रहता हूं , इसलिए कि मैंने एक ही पुरुष से तुज़्हारी बात लगाई है, कि तुज़्हें पवित्र कुंवारी की नाईं मसीह को सौंप दूं।''

60. वचन को ग्रहण करने वालों के रूप में

प्रेरितों 2:41
''सो जिन्होंने उसका वचन ग्रहण किया उन्होंने बपतिस्मा लिया; और उसी दिन तीन हज़ार मनुष्यों के लगभग उन में मिल गए।''

61. जल के द्वारा उद्धार पाने वालों के रूप में

1 पतरस 3:21, 22
''और उसी पानी का दृष्टांत भी, अर्थात बपतिस्मा, यीशु मसीह के जी उठने के द्वारा, अब तुज़्हें बचाता है; (उससे शरीर के मैल को दूर करने का अर्थ नहीं है, परन्तु शुद्ध विवेक से परमेश्वर के वश में हो जाने का अर्थ है)। वह स्वर्ग पर जाकर परमेश्वर के दहिनी ओर बैठ गया; और स्वर्गदूत और अधिकारी और सामर्थी उसके आधीन किए गए हैं।''

इफिसियों 5:26
''कि उस को वचन के द्वारा जल के स्नान से शुद्ध कर के पवित्र बनाए।''

तीतुस 3:5
''तो उस ने हमारा उद्धार किया: और यह धर्म के कामों के कारण नहीं, जो हम ने आप किए, पर अपनी दया के अनुसार, नए जन्म के स्नान, और पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ।''

इब्रानियों 10:22
''तो आओ; हम सच्चे मन, और पूरे विश्वास के साथ, और विवेक का दोष दूर करने के लिए हृदय पर छिड़काव लेकर, और देह को शुद्ध जल से धुलवाकर परमेश्वर के समीप जाएं।''

62. अखमीरी रोटी के रूप में

1 कुरिन्थियों 5:7

''पुराना खमीर निकाल कर, अपने आप को शुद्ध करो: कि नया गूंधा हुआ आटा बन जाओ; ताकि तुम अखमीरी हो, ज़्योंकि हमारा भी फसह जो मसीह है, बलिदान हुआ है।''

63. प्रज़ु के सामने जीवित बलिदान के रूप में

रोमियों 12:1

''इसलिए हे भाइयो, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिला कर बिनती करता हूं, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ: यही तुज़्हारी आत्मिक सेवा है।''

64. प्रभु की मेज़ में भाग लेने वालों के रूप में

1 कुरिन्थियों 10:21

''तुम प्रभु के कटोरे, और दुष्टात्माओं के कटोरे दोनों में से नहीं पी सकते! तुम प्रभु की मेज़ और दुष्टात्माओं की मेज़ दोनों के साझी नहीं हो सकते।''

65. एक ही रोटी में से लेने वालों के रूप में

1 कुरिन्थियों 10:16, 17

''वह धन्यवाद का कटोरा, जिस पर हम धन्यवाद करते हैं, ज़्या मसीह के लोहू की सहभागिता नहीं? वह रोटी जिसे हम तोड़ते हैं, ज़्या वह मसीह की देह की सहभागिता नहीं। इसलिए, कि एक ही रोटी है सो हम भी जो बहुत हैं, एक देह हैं: ज़्योंकि हम सब उसी एक रोटी में भागी होते हैं।''

66. प्रभु के कटोरे में भाग लेने वालों के रूप में

1 कुरिन्थियों 10:16

''वह धन्यवाद का कटोरा, जिस पर हम धन्यवाद करते हैं, ज़्या मसीह के लोहू की सहभागिता नहीं? वह रोटी जिसे हम तोड़ते हैं, ज़्या वह मसीह की देह की सहभागिता नहीं।''

1 कुरिन्थियों 10:21

''तुम प्रभु के कटोरे, और दुष्टात्माओं के कटोरे दोनों में से नहीं पी सकते! तुम प्रभु की मेज़ और दुष्टात्माओं की मेज़ दोनों के साझी नहीं हो सकते।''

1 कुरिन्थियों 11:27
''इसी लिए जो कोई अनुचित रीति से प्रभु की रोटी खाए, या उसके कटोरे में से पीए, वह प्रभु की देह और लोहू का अपराधी ठहरेगा।''

67. उन लोगों के रूप में जिन्होंने आत्मिक वस्त्र पहन लिए हैं

गलातियों 3:27
''और तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहिन लिया है।''

कुलुस्सियों 3:8-11
''पर अब तुम भी इन सब को अर्थात क्रोध, रोष वैर भाव, निन्दा और मुंह से गालियां बकना ये सब बातें छोड़ दो। एक दूसरे से झूठ मत बोलो ज़्योंकि तुम ने पुराने मनुष्यत्व को उसके कामों समेत उतार डाला है। और नए मनुष्यत्व को पहिन लिया है जो अपने सृजनहार के स्वरूप के अनुसार ज्ञान प्राप्त करने के लिए नया बनता जाता है। उस में न तो यूनानी रहा, न यहूदी, न खतना, न खतनारहित, न जंगली, न स्कूती, न दास और न स्वतन्त्र: केवल मसीह सब कुछ और सब में है।''

(देखिए रोमियों 13:12-14; इफिसियों 4:22-24; 6:12-20; 1 थिस्सलुनीकियों 5:5-8.)

68. उन लोगों के रूप में जिन्होंने अपने वस्त्र मैले नहीं किए

प्रकाशितवाज़्य 3:4
''पर हां, सरदीस में तेरे यहां कुछ ऐसे लोग हैं, जिन्होंने अपने-अपने वस्त्र अशुद्ध नहीं किए, वे श्वेत वस्त्र पहिने हुए मेरे साथ घूमेंगे ज़्योंकि वे इस योग्य हैं।''

69. उन लोगों के रूप में जिन्होंने यीशु को मेहमान के रूप में बुलाया और उसे मेहमाननवाज बनने दिया।

प्रकाशिवाज़्य 3:20
''देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूं; यदि कोई मेरा शज़्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ ज़ोजन करूंगा, और वह मेरे साथ।''

70. उन लोगों के रूप में जिन्होंने मसीह में दूसरे सब लोगों के साथ समानता में प्रवेश किया है।

याकूब 2:1-5

''हे मेरे भाइयो, हमारे महिमायुज्त प्रभु यीशु का विश्वास तुम में पक्षपात के साथ न हो। ज़्योंकि यदि एक पुरुष सोने के छल्ले और सुन्दर वस्त्र पहिने हुए तुज़्हारी सभा में आए और एक कंगाल भी मैले कुचैले कपड़े पहिने हुए आए। और तुम उस सुन्दर वस्त्रवाले का मुंह देखकर कहो कि तू वहां अच्छी जगह बैठ; और उस कंगाल से कहो, कि तू यहां खड़ा रह, या मेरे पांवों की पीढ़ी के पास बैठ। तो ज़्या तुमने आपस में भेदभाव न किया और कुविचार से न्याय करने वाले न ठहरे? हे मेरे प्रिय भाइयो, सुनो; ज़्या परमेश्वर ने इस जगत के कंगालों को नहीं चुना कि विश्वास में धनी, और उस राज्य के अधिकारी हों, जिसकी प्रतिज्ञा उसने उनसे की है जो उससे प्रेम रखते हैं?''

गलातियों 3:28
''अब न कोई यहूदी रहा और न यूनानी; न कोई दास, न स्वतन्त्र; न कोई नर, न नारी; ज़्योंकि तुम सब मसीह यीशु में एक हो।''

71. आत्मा की एकता को बनाए रखने की खोज करने वालों के रूप में।

इफिसियों 4:1-3
''सो मैं जो प्रभु में बन्धुआ हूं तुम से बिनती करता हूं, कि जिस बुलाहट से तुम बुलाए गए थे, उसके योग्य चाल चलो। अर्थात सारी दीनता और नम्रता सहित, और धीरज धरकर प्रेम से एक दूसरे की सह लो। और मेल के बन्ध में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो।''

72. उन लोगों के रूप में जो मसीह के पास आ चुके हैं

मज़ी 11:28, 29
''हे सब परिश्रम करने वालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुज़्हें विश्राम दूंगा। मेरा जुआ अपने ऊपर उठा लो और मुझ से सीज़ो। ज़्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूं; और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे।''

73. मसीह के साथ एक हो जाने वालों के रूप में

रोमियों 6:3
''ज़्या तुम नहीं जानते, कि हम जितनों ने मसीह यीशु का (में) बपतिस्मा लिया, तो उस की मृत्यु का (में) बपतिस्मा लिया?''

रोमियों 6:4
''सो उस मृत्यु का (में) बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए

जीवन की सी चाल चलें।''

74. उन लोगों के रूप में जो मसीह के साथ एकता में रहते हैं

रोमियों 6:8

''सो यदि हम मसीह के साथ मर गए, तो हमारा विश्वास यह है, कि उसके साथ जीएंगे भी।''

रोमियों 8:17

''और यदि सन्तान हैं, तो वारिस भी, वरन परमेश्वर के वारिस और मसीह के संगी वारिस हैं, जबकि हम उसके साथ दुख उठाएं कि उसके साथ महिमा भी पाएं।''

गलातियों 2:20

''मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूं, और अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है: और मैं शरीर में अब जो जीवित हूं, तो केवल उस विश्वास से जीवित हूं, जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिस ने मुझ से प्रेम किया, और मेरे लिए अपने आप को दे दिया।''

इफिसियों 2:5

''जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे, तो हमें मसीह के साथ जिलाया; (अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है)।''

कुलुस्सियों 3:3

''क्योंकि तुम तो मर गए, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है।''

75. बढ़ती रहने वाली इमारत के रूप में

इफिसियों 2:21, 22

''जिस में सारी रचना एक साथ मिलकर प्रभु में एक पवित्र मन्दिर बनती जाती है। जिस में तुम भी आत्मा के द्वारा परमेश्वर का निवास स्थान होने के लिए एक साथ बनाए जाते हो।''

मिली हुई आशिषों के सम्बन्ध में (7)

76. छुटकारा पाए हुओं के रूप में

इफिसियों 1:7, 8क

''हम को उस में उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है। जिसे उस ने सारे ज्ञान और समझ सहित हम पर बहुतायत से किया।''

77. क्षमा पाए हुओं के रूप में

इफिसियों 1:7, 8क

''हम को उस में उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है। जिसे उसने सारे ज्ञान और समझ सहित हम पर बहुतायत से किया।

78. धर्मी ठहराए गए लोगों के रूप में

रोमियों 3:23, 24

''इसलिए कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं। परन्तु उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है, सेंत मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं।''

रोमियों 5:1

''सो जब हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें।''

79. उन लोगों के रूप में जिनका परमेश्वर से मेल हो गया है

2 कुरिन्थियों 5:18, 19

''और सब बातें परमेश्वर की ओर से हैं, जिस ने मसीह के द्वारा अपने साथ हमारा मेल मिलाप कर लिया, और मेल मिलाप की सेवा हमें सौंप दी है। अर्थात परमेश्वर ने मसीह में होकर अपने साथ संसार का मेल मिलाप कर लिया और उसके अपराधों का दोष उन पर नहीं लगाया और उस ने मेल मिलाप का वचन हमें सौंप दिया है।''

80. उन लोगों के रूप में जो लहू में धोए गए

प्रेरितों 22:16

''अब ज़्यों देर करता है? उठ, बपतिस्मा ले, और उसका नाम लेकर पापों को धो डाल।''

81. जीवन पाने वालों के रूप में

प्रेरितों 11:18

''यह सुनकर, वे चुप रहे, और परमेश्वर की बड़ाई करके कहने लगे, तब तो परमेश्वर ने अन्यजातियों को भी जीवन के लिए मन फिराव का दान दिया है।''

1 यूहन्ना 5:13
''मैंने तुझ्हें, जो परमेश्वर के पुत्र के नाम पर विश्वास करते हो, इसलिए लिखा है; कि तुम जानो, कि अनन्त जीवन तुझ्हारा है।''

82. पिता और पुत्र को स्वीकार करने वालों के रूप में

1 यूहन्ना 2:24
''जो कुछ तुमने आरज़्भ से सुना है वही तुम में बना रहे: जो तुम ने आरज़्भ में सुना है, यदि वह तुम में बना रहे, तो तुम भी पुत्र में, और पिता में बने रहोगे।''

दी गई स्थिति के सज़्बन्ध में (21)

83. मुसाफिरों के रूप में

1 पतरस 1:1, 2
''पतरस की ओर से, यीशु मसीह का प्रेरित है, उन परदेशियों के नाम, जो पुन्तुस, गलतिया, कप्पदुकिया, आसिया और बिथुनिया में तितर-बितर होकर रहते हैं। और परमेश्वर पिता के भविष्यज्ञान के अनुसार, आत्मा के पवित्र करने के द्वारा आज्ञा मानने, और यीशु मसीह के लोहू के छिड़के जाने के लिए चुने गए हैं। तुझ्हें अत्यन्त अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।''

84. आत्मिक इस्राएल के रूप में

गलातियों 6:16
''और जितने इस नियम पर चलेंगे, उन पर, और परमेश्वर के इस्राएल पर, शान्ति और दया होती रहे।''

85. नई सृष्टि के रूप में

2 कुरिन्थियों 5:17
''सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं।''

86. जीवित पत्थरों के रूप में

1 पतरस 2:5

''तुम भी आप जीवते पत्थरों की नाईं आत्मिक घर बनते जाते हो, जिससे याजकों का पवित्र समाज बनकर, ऐसे आत्मिक बलिदान चढ़ाओ, जो यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर को ग्राह्य हैं।''

87. जैतून के पेड़ के रूप में

रोमियों 11:17-21

''और यदि कई एक डाली तोड़ दी गई, और तू जंगली जलपाई होकर उन में साटा गया, और जलपाई की जड़ की चिकनाई का भागी हुआ है। तो डालियों पर घमण्ड न करना: और यदि तू घमण्ड करे, तो जान रख, कि तू जड़ को नहीं, परन्तु जड़ तुझे सम्भालती है। फिर तू कहेगा डालियां इसलिए तोड़ी गईं, कि मैं साटा जाऊं। भला, वे तो अविश्वास के कारण तोड़ी गईं, परन्तु तू विश्वास से बना रहता है इसलिए अभिमानी न हो, परन्तु भय कर। ज़्योंकि जब परमेश्वर ने स्वाभाविक डालियां न छोड़ीं, तो तुझे भी न छोड़ेगा।''

88. स्वर्ग के नागरिकों के रूप में

फिलिप्पियों 3:20, 21

''पर हमारा स्वदेश स्वर्ग पर है; और हम एक उद्धारकर्ज़ा प्रभु यीशु मसीह के वहां से आने की बाट जोह रहे हैं। वह अपनी शज्ति के उस प्रभाव के अनुसार जिसके द्वारा यह सब वस्तुओं को अपने वश में कर सकता है, हमारी दीन-हीन देह का रूप बदलकर, अपनी महिमा की देह के अनुकूल बना देगा।''

89. बाहरी लोगों के रूप में

इब्रानियों 11:13

ये सब विश्वास ही की दशा में मरे; और उन्होंने प्रतिज्ञा की हुई वस्तुएं नहीं पाई; पर उन्हें दूर से देखकर आनन्दित हुए और मान लिया, कि हम पृथ्वी पर परदेशी और बाहरी हैं।

1 पतरस 2:11

''हे प्रियो मैं तुम से बिनती करता हूं कि तुम अपने आप को परदेशी और यात्री जानकर उन सांसारिक अभिलाषाओं से जो आत्मा से युद्ध करती हैं, बचे रहो।''

90. तितर-बितर होने वालों के रूप में

याकूब 1:1

''परमेश्वर के और प्रभु यीशु मसीह के दास याकूब की ओर से उन बारहों गोत्रों को जो तितर-बितर होकर रहते हैं नमस्कार पहुंचे।''

91. चट्टान पर बनी इमारत के रूप में

मत्ती 16:18

''और मैं भी तुझ से कहता हूं, तू पतरस है। और मैं इस चट्टान पर अपनी कलीसिया बनाऊंगा; और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।''

92. इब्राहीम की संतान के रूप में

गलातियों 3:29

''और यदि तुम मसीह के हो, तो इब्राहीम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो।''

93. बारह गोत्रों के रूप में

याकूब 1:1

''परमेश्वर के और प्रभु यीशु मसीह के दास याकूब की ओर से उन बारहों गोत्रों को जो तितर-बितर होकर रहते हैं नमस्कार पहुंचे।

94. असली खतने के रूप में

फिलिप्पियों 3:3

''ज़्योंकि खतना वाले तो हम ही हैं जो परमेश्वर की अगुआई से उपासना करते हैं, और मसीह यीशु पर घमण्ड करते हैं, और शरीर पर भरोसा नहीं रखते।''

95. प्रथम फल के रूप में

याकूब 1:18

उसने अपनी ही इच्छा से हमें सत्य के वचन के द्वारा उत्पन्न किया, ताकि हम उसकी सृष्टि की हुई वस्तुओं में से एक प्रकार के प्रथम फल हों।

प्रकाशितवाज़्य 14:4

''ये वे हैं, जो स्त्रियों के साथ अशुद्ध नहीं हुए, पर कुंवारे हैं: ये वे ही हैं, कि जहां कहीं मेज़्ना जाता है, वे उसके पीछे हो लेते हैं; ये तो परमेश्वर के निमिज़ पहिले फल होने के लिए मनुष्यों में से मोल लिए गए हैं।''

96. एक नये मनुष्य के रूप में

इफिसियों 2:15

''और अपने शरीर में वैर अर्थात वह व्यवस्था जिस की आज्ञाएं विधियों की रीति पर थीं, मिटा दिया, कि दोनों से अपने में एक नया मनुष्य उत्पन्न करके मेल करा दे।''

97. पवित्र किए गए लोगों के रूप में

1 कुरिन्थियों 1:1, 2

''पौलुस की ओर से जो परमेश्वर की इच्छा से यीशु मसीह का प्रेरित होने के लिए बुलाया गया और भाई सोस्थिनेस की ओर से। परमेश्वर की उस कलीसिया के नाम जो कुरिन्थुस में है, अर्थात उन के नाम जो मसीह यीशु में पवित्र किए गए, और पवित्र होने के लिए बुलाए गए हैं; और उन सब के नाम जो हर जगह हमारे और अपने प्रभु यीशु मसीह के नाम की प्रार्थना करते हैं।''

98. मित्रों के रूप में

3 यूहन्ना 14

''पर मुझे आशा है कि तुझ से शीघ्र भेंट करूंगा: तब हम आज़्हने साज़्हने बातचीत करेंगे: तुझे शान्ति मिलती रहे। यहां के मित्र तुझे नमस्कार (सलाम) करते हैं: वहां के मित्रों से नाम ले लेकर नमस्कार (सलाम) कह देना।

99. भाइयों के रूप में

1 पतरस 2:17

''सबका आदर करो, भाइयों से प्रेम रखो, परमेश्वर से डरो, राजा का सज़्मान करो।''

100. चुनी हुई स्त्री के रूप में

2 यूहन्ना 1–3

''मुझ प्राचीन की ओर से उस चुनी हुई श्रीमती और उसके लड़्केबालों के नाम जिन से मैं उस सच्चाई के कारण सत्य प्रेम रखता हूं, जो हम में स्थिर रहती है, और सर्वदा हमारे साथ अटल रहेगी। और केवल मैं ही नहीं, वरन वे सब भी प्रेम रखते हैं, जो सच्चाई को जानते हैं। परमेश्वर पिता, और पिता के पुत्र यीशु मसीह की ओर से अनुग्रह, और दया, और शान्ति, और सत्य, और प्रेम सहित हमारे साथ रहेंगे।''

101. मछलियां पकड़ने वाले जाल के रूप में

मत्ती 13:47–50

''फिर स्वर्ग का राज्य उस बड़े जाल के समान है जो समुद्र में डाला गया, और हर प्रकार की मछलियों को समेट लाया। और जब भर गया तो उसको किनारे पर खींच लाए, और बैठकर अच्छी–अच्छी को बरतनों में इकट्ठा किया और निकज़्मी–निकज़्मी फेंक दीं। जगत के अन्त में ऐसा ही होगा; स्वर्गदूत आकर दुष्टों को धर्मियों से अलग करेंगे, और उन्हें आग के कुंड में डालेंगे। वहां रोना और दांत पीसना होगा।''

102. हमारे प्रभु द्वारा लगाए गए पौधे के रूप में

मत्ती 15:13

''उसने उत्तर दिया, हर पौधा जो मेरे स्वर्गीय पिता ने नहीं लगाया, उखाड़ा जाएगा।''

103. मेल के बंध में रहने वालों के रूप में

इफिसियों 4:1-3

''सो मैं जो प्रभु में बन्धुआ हूं तुम से बिनती करता हूं, कि जिस बुलाहट से तुम बुलाए गए थे, उसके योग्य चाल चलो। अर्थात सारी दीनता और नम्रता सहित, और धीरज धरकर प्रेम से एक दूसरे की सह लो। और मेल के बन्ध में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो।''

पाद टिप्पणियां

[1]नये नियम में कलीसिया के लिए प्रयुक्त रूपकों तथा दृष्टांतों की इस सूची को एकत्र करने के लिए मैं विशेष तौर पर पॉल एस. माइनियर का ऋणी हूं। मैं इस संकलन की हर बात से सहमत नहीं था, लेकिन इस विषय पर संदर्भ के लिए उनकी किताब बहुत ही सहायक हुई है, और इस दृष्टि से मैं इस बात की सिफारिश करता हूं कि सब को जो इस विषय पर बारीकी से अध्ययन करना चाहते हैं इसे पढ़ना चाहिए। देखिए पॉल एस. माइनियर, *इमेजस ऑफ़ द चर्च इन द न्यू टैस्टामेंट* (फिलाडेल्फिया: वेस्टमिंस्टर प्रैस, 1960)। [2]''इमेजस ऑफ़ द चर्च इन द न्यू टैस्टामेंट'' की अपनी सूची में पॉल एस. माइनियर ने एक नाव का दृष्टांत, पुरखाओं, निर्गमन, दाऊद के घराने, बचे हुए लोग, मेमना जो राज्य करता है, पवित्र नगर, पर्व, अन्तिम आदम, मनुष्य का पुत्र, सब्त के विश्राम, आने वाले युग, जीवन के वृक्ष, और मसीह की मां को शामिल किया; लेकिन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप में मुझे कलीसिया के लिए नये नियम के लेखकों द्वारा इन आकृतियों का इस्तेमाल नहीं लगा। मैंने यह भी पाया कि रूपकों की अपनी सूची में उसने दूसरे रूपकों से लिया है; इसलिए मैंने उनका नाम अलग से नहीं लिखा। निम्न बातें मुझे ''देह और लहू'' ''कटोरे में भाग लेने वालों'' की और ''आत्मिक देह'' ''मसीह की आत्मिक देह'' की नकल लगीं। उसके द्वारा दिए गए कुछ रूपकों में कलीसिया के बजाय मसीह की बात अधिक पता चलती है। मैं उसके दिए हवालों ''कलीसिया का सिर'' और ''आत्माओं के विश्वव्यापी सिर'' को इस श्रेणी में रखूंगा। [3]यह हवाला आम तौर पर कलीसिया के बजाय प्रेरितों का ज्यादा है। अभिप्राय यह होगा कि जब तक मन में यह बात रखी जाती है कि कलीसिया संसार में आज केवल उसी संदेश को प्रस्तुत करती है जो परमेश्वर की प्रेरणा से प्रेरितों ने दिया था तो आज कलीसिया वैसी ही होगी जैसी प्रेरितों के उस समय थी।

मसीही लोगों की उदारता से ट्रुथ फ़ॉर टुडे वर्ल्ड मिशन स्कूल बिना कोई कीमत लिए ये पुस्तकें आपको उपलज़्ध करवा सका है। अपनी mailing list को अपडेट करने के लिए हमें आपसे निज़्न जानकारी चाहिए।

यह पुष्टि करने के लिए कि आपकी जानकारी अभी भी सही है, कृपया हमें साल में कम से कम एक बार अवश्य लिखें कि ज़्या आपको यह सामग्री लगातार सही पते पर मिल रही है और आपके लिए कैसे सहायक हो रही है। आपकी सेवकाई में परमेश्वर आपको आशीष दे।

एक पर टिक करें: ☐ पुरुष ☐ स्त्री

(नोट: सज़्भव हो तो पता अंग्रेज़ी के बड़े अक्षरों में लिखें)

नाम: _____

पूरा पता: _____

_____

_____ PIN _____

पुराना पता (पता बदलने की स्थिति में): _____

_____

_____

_____ PIN _____

ई-मेल पता: _____

कलीसिया का नाम: _____

स्थान: _____

प्रचारक का नाम: _____

जिस मण्डली में आप आराधना करते हैं, वहां आपकी सेवा ज़्या है?

☐ प्रचारक ☐ सदस्य

☐ बाइबल ज़्लास टीचर ☐ सदस्यता नहीं

ज़्या आपको ट्रुथ फ़ॉर टुडे वर्ल्ड मिशन स्कूल का साहित्य लगातार मिल रहा है? (एक पर टिक करें):

☐ नहीं

☐ हां, डाक से

☐ हां, श्री _____ के पास से।

आप किस भाषा में पुस्तकें पाना चाहेंगे? (केवल एक ही टिक करें):

☐ हिन्दी ☐ तमिल ☐ तेलुगू ☐ अंग्रेज़ी

आप इस सामग्री का इस्तेमाल कैसे करते हैं/करेंगे? _____

_____

यदि आप ऐसे व्यज़्तियों को जानते हों जो इस सामग्री को लगातार प्राप्त करना चाहते हैं, तो कृपया इस फार्म की कापी करवाकर उनके नाम से यह फार्म Truth for Today, P.O. Box 44, Chandigarh - 160017 के पते पर भेज दें।